कक्षा 10वीं – हिन्दी, वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#4. नगर - कहानी (तमिल कहानी)

प्रश्न #1. बड़े डॉक्टर पाप्पाति के बारे में पूछताछ क्यों कर रहे थे? [2018AI]

उत्तर : बड़े डॉ॰ पाप्पति के बारे में इसलिए पूछताछ कर रहे थे क्योंकि वे थोड़े ही दिन पहले विदेश से शिक्षा प्राप्त कर लौटे थे। वे यहाँ अस्पताल में मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करते थे। वे पाप्पति का निरीक्षण करने के बाद पाया कि वह 'मेनिन जाइटिस' रोग से पीड़ित है।

प्रश्न #2. लेखक ने कहानी का शीर्षक 'नगर' क्यों रखा है? [2011A, 2016AI]

उत्तर : इस कहानी में एक गरीब, अनपढ़ महिला अपनी बीमार बेटी का इलाज कराने गांव से शहर आती है। नगर के अस्पताल में उसे बहुत दिक्कत होती है। बड़े डॉक्टर के कहने पर पैसा नहीं होने के कारण उसकी बीमार बेटी को अस्पताल में भर्ती नहीं किया जा सका। नगर में पैसे पर ही सब रिश्ता टिका है और मानवता पैसे से खरीदी जाती है। इस कहानी के माध्यम से लेखक ने नगर की स्वार्थपरता, अमानवीयता आदि को उजागर किया है। इसलिए इस कहानी का नाम नगर रखा गया है।

प्रश्न #3. पाप्पाति कौन थी और वह शहर क्यों लायी गयी थी? [2012A, 2013A, 2014AI, 2017AI, 2025AII]

उत्तर : पाप्पाति तमिलनाडु के एक गाँव की महिला वल्लि अम्माल की बेटी थी। उसे बुखार आ गया था। जब वल्लि अम्माल उसे लेकर गाँव के प्राइमरी हेल्थ सेंटर में दिखाने गई तो वहाँ के डॉक्टर ने अगले दिन सुबह ही जाकर नगर के बड़े अस्पताल में दिखाने को कहा। बस वह पाप्पाति को लेकर सुबह की बस से नगर के बड़े अस्पताल में दिखाने पहुँच गई।

प्रश्न #4. वल्लि अम्माल का चरित्र चित्रण करें। [2016AI]

उत्तर : वल्लि अम्माल का चरित्र-चित्रण निम्नलिखित है:

- वल्लि अम्माल गाँव की गरीब विधवा महिला है ।
- वह धैर्यशील महिला है ।
- वह अनपढ़ महिला है ।
- वह परिस्थिति के सामने लाचार है ।

प्रश्न #5. 'नगर' शीर्षक कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालें। [2015AI]

उत्तर: 'नगर' शीर्षक कविता प्रतीक रूप में है । वल्लि अम्माल अपनी पुत्री को लेकर बड़े शहर मदुरै जाती है तो वह मरणासन्न है । नगर के लोग रूखे व्यवहार के हैं । उसे एक स्थान पर खड़ा होकर रोने भी नहीं देते । गाँव में एक-दूसरे का ख्याल रखते हैं । अतः अव्यावहारिक जीवन शैली का प्रतीक 'नगर' शीर्षक सार्थक है ।

प्रश्न #6. वल्लि अम्माल ने पाप्पाति के लिए क्या मन्नत मानी ? [2022AI]

उत्तर : वल्लि अम्माल ने पाप्पाति के लिए यह मन्नत मांगी कि "यदि पाप्पाति ठीक हो जाएगी तो वैदीश्वरन जी के मंदिर जाकर दोनों हाथों से रोजगारी भरकर भगवान की भेंट चढ़ाऊँगी ।"